वी यू – मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस का आयोजन

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अन्तर्गत मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर में राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस 2024 का आयोजन 'माननीय कुलपति प्रोफेसर सीता प्रसाद तिवारी जी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष 10 जुलाई को मनाया जाता है, कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न हुआ, जिसमें प्रथम चरण में मत्स्य किसान संगोष्ठी का आयोजन तथा मत्स्य कृषकों के संबंधित विषय से प्रश्नों का निदान भी किया गया, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्मार्ट सिटी परियोजना, जबलपुर, मध्य प्रदेश श्री एस.एस. धाकड़े उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता डॉ. एस.के. महाजन जी द्वारा की गई, कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. जी.पी. लखानी, सम्पदा अधिकारी डॉ. एस.करमोरे तथा डॉ. नरेन्द्र राठौड़ की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम का संयोजन मत्स्य प्रक्षेत्र प्रभारी डॉ. सोना दुबे एवम् समन्वयन श्री शिवमोहन सिंह एवम् श्री प्रतीक कुमार तिवारी द्वारा किया गया, कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन अतिथियों द्वारा अलंकृत मछलियों को दाना देकर की गई।

बीज वितरण कार्यक्रम में लगभग 20 मत्स्य कृषक बंधुओ को माल्यार्पण से सम्मानित किया एवम् भारतीय मेजर कार्प के मछ्ली बीज का वितरण किया गया, अपने उद्बोधन के दौरान माननीय कुलपति जी ने कृषकों एवम् छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा मत्स्य उत्पादन कई चरणों में संपन्न होने वाली क्रमबद्ध प्रक्रिया है, जहां मत्स्य विज्ञान में प्रशिक्षित कृषक

अलग–अलग आयामों में कार्य कर बेहतर लाभ प्राप्त कर रहे हैं, मत्स्य पालन एवम प्रबंधन के साथ साथ मत्स्य खाद्य प्रसंस्करण में भी बेहतर अवसर उपलब्ध हो रहें हैं, साथ ही प्रेरित प्रजनन विधि से हम अधिक संख्या में स्टॉक तैयार कर रहे हैं, जिसकी मदद से किसानों को उत्पादन से लेकर विक्रय तक की प्रक्रिया चक्रीय रूप में सहजता से पूर्ण होगी, तथा इससे रोजगार के अवसर भी मिलेंगे साथ ही ज्यादा आमदनी भी अर्जित की जा सकेगी, कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि श्री धाकड़े जी ने कहा की जैव विविधता के संरक्षण के प्रयासों को सफल करने के लिए हमें मछ्ली के अस्तित्व को बचाए रखना बेहद आवश्यक है, इसके लिए हमें समय समय पर प्राकृतिक जल स्त्रोत जैसे नदी आदि में भी मछ्ली स्टॉक करने की आवश्यकता होती है।

महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. एस.के. महाजन जी ने इस दिवस को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए बताया की आज ही के दिन हमारे भारत के महान वैज्ञानिक डॉ. हीरालाल चौधरी एवम् के एच अली कोहनी ने प्रेरित प्रजनन का कार्य सफलतापूर्वक भुवनेश्वर में कार्य संपन्न किया था जिसकी स्मृति में हम इस दिवस को प्रतिवर्ष मनाते आ रहे हैं, यह दिवस समस्त मात्स्यीकी क्षेत्र से जुड़े लाभार्थियों के लिए महत्तवपूर्ण है मत्स्य पालन प्रक्षेत्र में विगत 35 वर्षों से अनवरत अपनी सेवा देने हेतु प्रक्षेत्र कर्मचारी श्री परमलाल रैकवार एवम् श्री मिलन रैकवार जी को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु कुलपति जी द्वारा शाल एवम् श्री फल देकर सम्मानित किया गया, यह कार्यक्रम अधिष्ठाता डॉ. एस.के. महाजन जी की निर्देशन में संपन्न हुआ एवम् इसे सफल बनाने में डॉ. सोना दुबे, डॉ. माधुरी शर्मा, डॉ. प्रीति मिश्रा, श्री शिव मोहन सिंह,प्रतीक तिवारीअनिल केवट, प्रियंका गौतम, सत्येन्द्र कटारा अर्चना शर्मा, इमरान खान, बीरबल कुलस्ते, रामकलेश यादव, शैलेंद्र दाहिया सहित प्रक्षेत्र के कर्मचारी तथा महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं का विशेष सहयोग रहा।

मंच संचालन प्रतीक कुमार तिवारी एवम् आभार डॉ. सोना दुबे जी द्वारा किया गया,

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर